



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 आश्विन 1936 (शा०)

(सं० पटना 836) पटना, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2014

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

3 जुलाई 2014

सं० 22/नि०सि०(सिवान)–11–18/2012/855—श्री प्रेमचन्द्र प्रसाद (I. D. N0 - 4613), तत्कालीन प्राक्कलन पदाधिकारी, बाढ़ नियंत्रण अंचल, पड़रौना की प्रतिनियुक्ति पिपरा पिपरासी तटबंध के कि०मी० 26.75 पर अवस्थित स्पर को 'ए' श्रेणी घोषित किये जाने के फलस्वरूप उक्त स्थल पर की गई। श्री प्रसाद प्राक्कलन पदाधिकारी द्वारा प्रतिनियुक्त स्थल पर योगदान नहीं किये जाने के संबंध में अधीक्षण अभियंता, बाढ़ नियंत्रण अंचल, पड़रौना ने अपने पत्रांक–506 दिनांक 12.07.12 द्वारा मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, सिवान को प्रतिवेदित किया कि श्री प्रसाद दिनांक 01.02.12 से दिनांक 07.04.12 एवं दिनांक 01.05.12 से आजतक बिना किसी सूचना के अनाधिकृत रूप से स्वेच्छा से अनुपस्थित है। उक्त सूचना मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, सिवान द्वारा विभाग को प्रतिवेदित किया गया। मुख्य अभियंता से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में श्री प्रसाद, प्राक्कलन पदाधिकारी को स्वेच्छा से अनुपस्थित रहने के कारण विभागीय अधीसूचना संख्या–867 दिनांक 03.08.12 द्वारा निलंबित किया गया एवं प्रपत्र 'क' गठित कर विभागीय संकल्प ज्ञांपाक–1087 दिनांक 04.10.12 द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) के नियमावली–2005 के नियम–17 के तहत विभागीय कार्यवाही प्रारंभ की गई।

संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। समीक्षा में पाया गया कि संचालन पदाधिकारी द्वारा निम्न मंतव्य दिया गया है :–

1. दिनांक 01.02.12 से 07.04.12 एवं दिनांक 01.05.12 से 04.10.12 तक की अवधि में सक्षम स्तर से अनुमति प्राप्त किये बिना अनुपस्थित रहे हैं। अतः सेवा संहिता धारा–55 के अन्तर्गत जवाबदेही बनती है।

2. उक्त परिपेक्ष्य में वाछित अनुशासन/कर्तव्य पालन में फलित ह्वास उक्त अनुपस्थिति अवधि से स्पष्ट परिलक्षित है।

3. सरकारी कार्यों पर अनपेक्षित अनुपस्थिति के फलस्वरूप प्रतिकूल प्रभाव पड़ना परिलक्षित है। समीक्षा में पाया गया कि आरोपी पदाधिकारी श्री प्रसाद द्वारा अपने बचाव–बयान में दिनांक 01.02.12 से 07.04.12 के अवधि में कार्य पर उपस्थित बताते हुए विभिन्न अंचलीय कार्यालय के कार्यों को निष्पादन करना बताया गया है परंतु इस संदर्भ में साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया। जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बचाव–बयान में कार्यालय में लेखा जाँच करना, LPC लाने, बच्ची की परीक्षा दिलाने तथा पत्नी का इलाज तथा अनुष्ठान कराने के कारण अधीक्षण अभियंता, बाढ़ नियंत्रण अंचल, पड़रौना के मौखिक अनुमति से कार्यालय से अनुपस्थित रहने का उल्लेख किया गया है। बचाव बयान के साथ आरोपी पदाधिकारी श्री प्रेमचन्द्र प्रसाद, तत्कालीन प्राक्कलन पदाधिकारी 4 अदद

आवेदन मुख्यालय छोड़ने तथा आकस्मिक अवकाश का संलग्न किया गया है जो बिना Receipt का आवेदन है उक्त आवेदन के लिये डाक विभाग को कोई प्रमाण भी संलग्न नहीं है और न ही आवेदनों पर किसी सक्षम पदाधिकारी से पुर्वानुमति की प्राप्ति अंकित है। इस संदर्भ में संचालन पदाधिकारी ने विभागीय कार्यवाही के दौरान आरोपी पदाधिकारी के चारों आवेदन के अपने पत्रांक-189 दिनांक 25.03.12 से अधी0 अभि�0, बाढ़ नियंत्रण अंचल पड़रौना को भेजते हुए मंतव्य माँगा गया। उक्त के अनुपालन में अधी0 अभि�0, बाढ़ नियंत्रण अंचल पड़रौना अपने पत्रांक-191 दिनांक 11.04.13 द्वारा स्पष्ट किया गया कि कर्नीय अभियंता के प्रभार संबंधी मुल्यांकण प्रतिवेदन दिनांक 30.04.12 को मुख्य अभि�0, सिवान को समर्पित करने के बाद दिनांक 01.05.12 से स्वेच्छापूर्वक श्री प्रसाद अनुपस्थित रहे हैं एवं कोई आवेदन पत्र इस कार्यालय को प्राप्त नहीं हुआ है। अतः आरोपी पदाधिकारी का बचाव बयान स्वीकार योग्य नहीं माना जा सकता है।

विभागीय पत्रांक-868 दिनांक 03.08.12 से निलंबन के पश्चात दिनांक 05.10.12 को निर्धारित मुख्यालय मुख्य अभियंता, मुजफ्फरपुर के कार्यालय में आरोपी पदाधिकारी, श्री प्रसाद द्वारा योगदान किया गया।

उपरोक्त तथ्यों के आलोक में बिहार सेवा संहिता 1952, धारा-55 का उल्लंघन करते हुए बिना पुर्वानुमति के आरोपी पदाधिकारी श्री प्रसाद दिनांक 01.02.12 से 07.04.12 एवं दिनांक 01.05.12 से दिनांक 04.10.12 तक स्वेच्छा पूर्वक अपने कर्तव्य एवं कार्यालय से अनुपस्थित रहने एवं इनके इस आचरण से सरकारी कार्यों पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ने का आरोप प्रमाणित पाया गया।

उपरोक्त प्रमाणित आरोपों के लिए सरकार द्वारा श्री प्रेमचन्द्र प्रसाद, तत्कालीन प्राक्कलन पदाधिकारी, बाढ़ नियंत्रण अंचल, पड़रौना सम्बति निलंबित को निलंबन से मुक्त करते हुए निम्न दण्ड देने का निर्णय लिया गया –

(1) दिनांक 01.02.12 से 07.04.12 एवं दिनांक 01.05.12 से 04.10.12 तक अनुपस्थित अवधि में किसी भी प्रकार का वेतनादि देय नहीं होगा परन्तु सेवा नियमितीकरण में उक्त अवधि की गणना की जायेगी।

(2) निलंबन अवधि में प्राप्त निलंबन भत्ता के अलावे किसी प्रकार की शेष राशि देय नहीं होगा परन्तु उक्त अवधि को सिर्फ पेंशन प्रयोजनार्थ गणना की जायेगी।

(3) दो वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

उक्त निर्णय के आलोक में श्री प्रेमचन्द्र प्रसाद को निम्न दण्ड संसूचित किया जाता है –

(1) दिनांक 01.02.12 से 07.04.12 एवं दिनांक 01.05.12 से 04.10.12 तक अनुपस्थित अवधि में किसी भी प्रकार का वेतनादि देय नहीं होगा परन्तु सेवा नियमितीकरण में उक्त अवधि की गणना की जायेगी।

(2) निलंबन से मुक्त करते हुए उक्त अवधि में प्राप्त निलंबन भत्ता के अलावे किसी प्रकार की शेष राशि देय नहीं होगा परन्तु सिर्फ पेंशन प्रयोजनार्थ गणना की जायेगी।

(3) दो वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

उक्त दण्ड, श्री प्रसाद, तत्कालीन प्राक्कलन पदाधिकारी को संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

गजानन मिश्र,

विशेष कार्य पदाधिकारी।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 836-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>